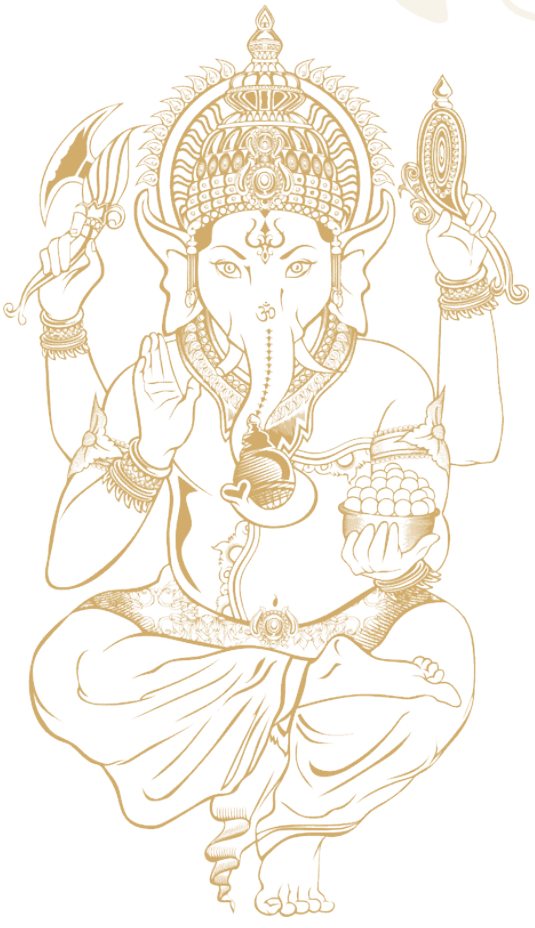

Prajwal

Vaibhavi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120861806

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/12/1997	जन्म तिथि	07/10/2002
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:55:00	जन्म समय	21:50:00 घंटे
घटी 12:49:31	जन्म समय(घटी)	38:48:36 घटी
India	देश	India
Jalna	स्थान	Nasik
19:50:00 उत्तर	अक्षांश	20:00:00 उत्तर
75:58:00 पूर्व	रेखांश	73:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:08	स्थानिक संस्कार	-00:34:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:11	सूर्योदय	06:27:01
17:46:23	सूर्यास्त	18:17:40
23:49:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 10मा 5दि	06:12:15	कुंभ	लग्न	वृष	21:06:25	राहु 16वर्ष 8मा 20दि
गुरु	19:19:35	वृश्चि	सूर्य	कन्या	20:20:05	गुरु
11/10/2022	23:37:25	मक	चंद्र	तुला	07:36:45	29/06/2019
11/10/2038	26:03:11	धनु	मंगल	कन्या	00:58:28	29/06/2035
गुरु 28/11/2024	09:03:43	धनु	बुध	कन्या	04:29:47	गुरु 16/08/2021
शनि 11/06/2027	23:24:16	मक	गुरु	कर्क	19:18:25	शनि 27/02/2024
बुध 16/09/2029	02:07:22	मक	शुक्र	तुला	21:32:04	बुध 04/06/2026
केतु 23/08/2030	19:49:16	मीन व	शनि	मिथु	05:10:50	केतु 11/05/2027
शुक्र 23/04/2033	21:18:31	सिंह व	राहु व	वृष	16:15:01	शुक्र 09/01/2030
सूर्य 09/02/2034	21:18:31	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	16:15:01	सूर्य 28/10/2030
चन्द्र 11/06/2035	12:00:50	मक	हर्ष व	कुंभ	01:19:36	चन्द्र 27/02/2032
मंगल 17/05/2036	04:13:50	मक	नेप व	मक	14:20:59	मंगल 02/02/2033
राहु 11/10/2038	11:56:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:29:26	राहु 29/06/2035

लग्न-चलित

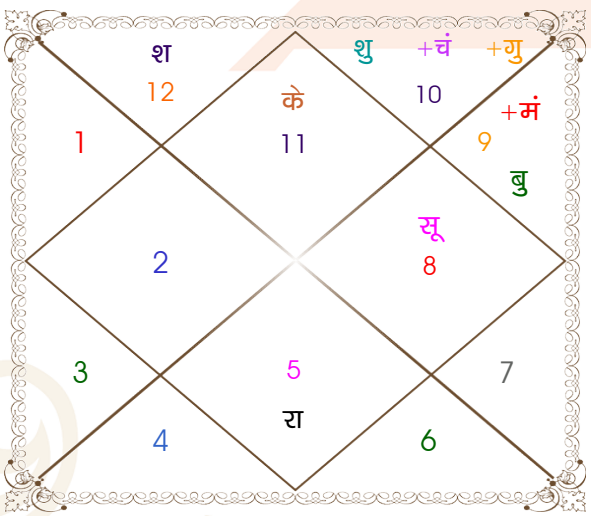

लग्न-चलित

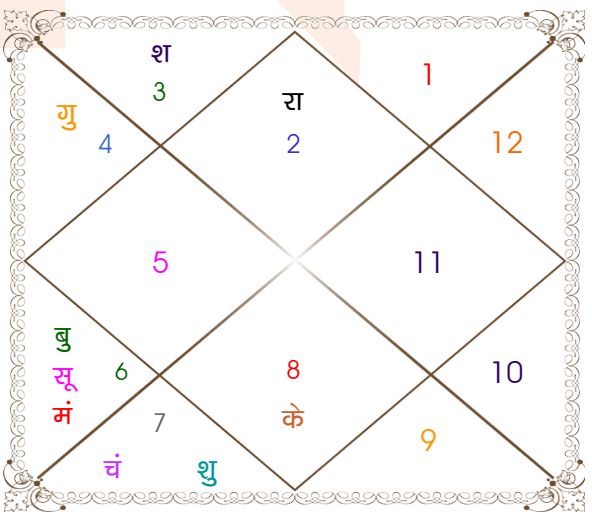

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

च्तंरूंस का वर्ग मार्जार है तथा टंपईंअप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंरूंस और टंपईंअप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंरूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

टंपईंअप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

च्तंरूंस तथा टंपईंअप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।